Hem Sharma Classes: 9991500264

HARYANA STATE S.A.S. EXAMINATION PART-I

PRECIS AND DRAFTING (English & Hindi) August 1987

(Without the aid of books)

Time allowed: 3 Hours Max. Marks:100

PART-I

1. Prepare a draft letter from the Chief Secretary to all Deputy Commissioners urging them to take steps for eradication of corruption from public life.
(200 words) **(20 marks)**

2. Frame sentences using the following phrases:
   i. To look at
   ii. To take after
   iii. Send for
   iv. Call in
   v. Part & parcel **(5 marks)**

3. Report the following in indirect speech:
   i. He said, “Alas! I am undone."
   ii. Vinod said, “How clever I am!"
   iii. Ram said to Arjun, “Go away."
   iv. "Call the first witness," said the Judge.
   v. He said to him, “Is not your name Ahmed? **(5 marks)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

4. Translate 20 of the following words into Hindi:

1.	Expedite Action	2.	In anticipation of
3.	Integrity	4.	Sanction
5.	Inspection Report	6.	Adverse entry
7.	Merit cum seniority	8.	Representation
9.	Agenda items	10.	Proceedings
11.	Note for pad	12.	Shaping well
13.	Competent	14.	Paper under consideration

15. Margin
16. Reminder
17. Outlay
18. Appropriation bill
19. Document
20. Affidavit
21. Financial constraints
22. Placed below
23. Officer on Special Duty

(20 marks)

5. मुख्य प्रशासक हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से सभी सम्पदा अधिकारियों के नाम लिखे जाने वाले अर्ध सरकारी पत्र का प्रारूप प्रस्तुत करो जिसमें शहरी सम्पदाओं के सौंदर्यीकरण के लिए विशेष आग्रह किया गया हो । (200 शब्दों में) **(20 अंक)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

6. निम्नलिखित परिच्छेद का सारांश (precis) बनाइए जोकि मूल का एक तिहाई भाग हो और उसे उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए :

कठिनाइयों का सामना करने के लिए साहस धैर्य और सूझ-बूझ की आवश्यकता होती है । परन्तु हमें आसान रास्तों पर चलने की आदत पड़ गई है । हम एक ही क्षण में जीवन की सभी ऊँचाइयों को पार करना चाहते हैं परन्तु ऐसा सम्भव नहीं । अगर हम सफलता की कामना करते हैं तो हमें यह मन में धारण कर लेना चाहिए कि सफलता के लिए कांटों पर चलना पड़ता है । आग में से गुजरना पड़ता है। जितने भी महापुरुष हुए हैं उन्होंने हमें यही सिखाया है कि हम जीवन की कठिनाइयों का हंस कर मुकाबला करें चाहे इस कोशिश में हमारी जान भी जोखिम में क्यों न पड़ जावे। ताकि हम अवरोधों होने पर हम विचलित न हों। ऐसी स्थिति में हमें अपने विवेक और आत्म शक्ति का सहारा लेना चाहिए न कि पलायनवादी एवं कुंठावादी नीति अपनानी चाहिए । नौकरी की तलाश में हम सिफारिश ढूंढते रहते हैं । यह आम धारणा बन गई है कि सिफारिश के बिना कोई नौकरी नहीं मिल सकती । हो सकता है यह धारणा कुछ सीमा तक सही हो परन्तु सभी मामलों में ऐसी स्थिति नहीं होती । अगर किसी व्यक्ति में गुण हैं आत्म शक्ति है आत्म सम्मान है तो वह किसी सिफारिश की परवाह नहीं करता । ऐसे व्यक्ति को अपने आप पर आत्म

विश्वास होता है । इसी आत्म विश्वास के सहारे वह जीवन की लड़ाई लड़ता है। इतिहास साक्षी है कि ऐसे व्यक्तियों ने इतिहास के क्षितिज पर अपनी अमित छाप छोड़ी है । जीवन में वास्तव में ऐसे व्यक्तियों की या प्राणियों की नितान्त आवश्यकता है ।

परन्तु ऐसे व्यक्तियों की संख्या दिन प्रतिदिन क्षीण होती जा रही है । अधिकतर लोग ऐश्वर्य एवं सुख सुविधाओं से सम्पन्न जीवन की तलाश करने में अपना आत्म विश्वास व आत्म सम्मान खो रहे हैं । यह निर्णय आदमी को करना है कि वह अपने व्यक्तित्व को कितना ऊँचा उठा सकता है । व्यक्ति चाहे तो अपने व्यक्तित्व को सफलता की चरम सीमा तक ले जा सकता है तभी जीने का अर्थ सही मायनों में सार्थक हो सकता है । **(30 अंक)**

Hem Sharma Classes: 9991500264